भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

मिशन लाईफ के अंतर्गत पर्यावरण के अनुकूल जीवन पद्धति विषय पर संगोष्ठी

दिनांक : 24 फरवरी, 2023

संस्थान की भागीदारी की झलकियां

भावाअशिप - वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डा. योगेश्वर मिश्रा के तत्पर पहल एवं प्रभागाध्यक्ष श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से., उ.व.स., के मार्गदर्शन में दिनांक 24.02.2023 को मिशन लाईफ के अंतर्गत पर्यावरण के अनुकूल जीवन पद्धति विषय पर संस्थान के सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे संस्थान के समस्त अधिकारी, कर्मचारी के अलावा राज अस्पातल, रांची के चिकित्सक एवं उनके दल उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का परिचय कराते हुए श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी ने पर्यावरण के अनुकूल कार्बन को कम करने तथा जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम करने के उपायों की चर्चा की।

संस्थान के निदेशक, डा. योगेश्वर मिश्रा ने कार्यक्रम की आवश्यकता मिशन लाईफ के उद्देश्य अपने जीवन शैली में अपनाएं जाने वाले आदतों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री की आकांक्षाओं को विस्तार से उद्धृत किया। Land degradation की चर्चा करते हुए उन्होने बताया कि रासायनिक खाद खनन एवं जंगलों का दोहन कम कर हम जमीन की क्षमता को बरकरार रख सकते है जिसके लिए जैविक खाद के उपयोग को आवश्यक बताया। 1 cm कागज के आकार को कम करके हम लाखों टन पेपर की बचत कर सकते है। कचरे के निपटान के तरीकें को बताते हुए गीला, सूखा कचरा अलग करने से काफी मदद मिल सकती है। LED बल्ब से काफी उर्जा की बचत हुई है आगे इसे विस्तार देना है। 2030 तक जीरो कार्बन करने के लिए अपने अनावश्यक वाहन उपयोग कम कर कार्बन उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। रेल नेटवर्क द्वारा उठाए गए कदमों की भी चर्चा की।

राज अस्पताल के डा. शुभम शेखर ने हृदय रोग पहचान एवं उसके बचाव के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की तथा बचाव हेतु टिप्स के बारे में विस्तार में बताया। उन्होने दवाई का उपयोग कर पर्यावरण सुधार पर बल दिया। कुछ प्रदर्शन के माध्यम से हृदय रोग से बचाव के प्रारम्भिक उपाय बताया।

श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से., उप-वन संरक्षक ने डा. शुभम शेखर को उनके प्रारम्भिक उपचार, पर्यावरण के साथ दिनचर्या अपनाकर जलवायु परिवर्तन पर काबू के उपायों तथा प्रदर्शन द्वारा स्वास्थ्य रक्षा तकनीकी को विस्तार से बताने के लिए तथा निदेशक महोदय को कार्यक्रम में सहयोग के लिये धन्यवाद दिया।

मिशन लाईफ के अंतर्गत पर्यावरण के अनुकूल जीवन पद्धति विषय पर संगोष्ठी

दिनांक : 24.03.2023

श्री करम सिंह मुण्डा, तकनीकी सहायक के संचालन में कार्यक्रम के दूसरे भाग में अंकित कुमार ने आराम पसंद जीवन को छोड़ पर्यावरण के अनुकूल जीने की कला अपनाने पर जोर दिया। अंशु ने मोबाईल का उपयोग कम करने, सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करने, क्रय-विक्रय में जूट के थैलों का उपयोग करने की सलाह दी। सुश्री रूनम कुमारी ने कचरे (waste) का खुद निष्पादन (dispose) करने, शहरीकरण कम करने, घरों मकानों पर पौधों लगाने की उपयोगिता बताई। श्री राजकुमार ने पानी का प्रबंधन, खनन प्रबंधन की चर्चा की। अक्षय ने प्रकृति के पंचभूतों की चर्चा की एवं हवा, जल आकाश, मिट्टी, अग्नि के संतुलित उपयोग की सलाह दी। श्री रवि शंकर प्रसाद, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा पर जोर दिया एवं उर्जा के श्रोतों का सदुपयोग करने एवं सौर्य, पवन, जल उर्जा पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया।

धन्यवाद ज्ञापन श्री बी.डी.पंडित ने किया। कायक्रम के आयोजन में श्री करम सिंह मुण्डा, श्री बसंत कुमार, श्री सूरज कुमार, श्री बी.डी.पंडित एवं श्री निसार आलम ने सराहनीय योगदान दिया।

भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान, रांची